



## आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड: 6 अंक: 1 मार्च 2026

### अनुक्रमणिका

संपादकीय	प्रो. प्रतिभा मुदलियार	1-2
<b>शोधालेख</b>		
• प्राथमिक शिक्षा प्रगति पर सर्व शिक्षा अभियान के प्रभाव का अध्ययनशील मूल्यांकन	नीरज कुमार चौधरी, डॉ. लक्ष्मी रानी	3-13
• हिंदी तथा हिंदीतर कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. रंजना पाटिल	14-17
• फीजी की हिंदी कविता में पर्यावरण परिदृश्य : प्रवासी चेतना और प्रकृति-संबंध	डॉ. सुबशनी लता कुमार, सरिता चंद	18-25
• कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से हिंदी का संवर्धन	प्रोफेसर. मीना यादव	26-29
• नये और पुराने मूल्यों का द्वंद्व : युगे युगे क्रांति – नाटक के सन्दर्भ में	डॉ. अतुल कुमार पाण्डेय	30-34
• 'गिलगडु' उपन्यास: वृद्धजीवन का एक सामाजिक दर्पण	डॉ. सीना कुरियन	35-40
• साहित्य की दुनिया में ए.आई का प्रभाव	सचिन कुमार	41-50
• नीला चाँद के कथानक में इतिहास का स्वरूप/बोध	डॉ. प्रकाश नारायण सिंह चौहान, डॉ सुरेन्द्र बहादुर सिंह चौहान	51-56
• डॉ. अंबेडकर : वैज्ञानिक चेतना के प्रेरक	डॉ. सूर्या ई.वी	57-62
• पहचान की तलाश और अस्तित्व का संघर्ष: 'मेरे हिस्से की धूप' में ट्रांसजेंडर जीवन का चित्रण	सेलीष्या जोसफ	63-67

- आधुनिक हिन्दी कविता में आर्थिक चेतना : मार्क्स, एंगेल्स  
और एडम स्मिथ के आर्थिक सिद्धांतों के आलोक में डॉ. जिशा एम. एन 68-74
- धूमिल की कविता में निहित समकालीन  
बोध एवं जनतंत्र की विडंबना डॉ. दीपा कुमारी 75-82
- वेद, उपनिषद तथा लोक ज्ञान परंपरा डॉ. सुधामनी 83-88
- 'आधुनिक युग की मीरा' महादेवी वर्मा: गद्य एवं पद्य  
साहित्य का समग्र अकादमिक मूल्यांकन डॉ. आनंद कुमार कश्यप 89-93
- भारतीय भाषाविज्ञान चिंतन डॉ. रणजीत भारती 94-100
- स्त्रियों का भाषिक संसार : एक विश्लेषण डॉ. रेनू यादव 101-114
- इक्कीसवीं सदी के प्रथम दशक की हिंदी कविता डॉ. रंजना पाटिल 115-119
- चाय बागान में सिसकता जनजीवन : एक अध्ययन अर्चना विश्वकर्मा 120-125
- समकालीन हिंदी ग़ज़लों में चेतना के विविध परिदृश्य डॉ. दादासाहेब नारायण डांगे 126-132
- भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS): एक ऐतिहासिक विवेचना,  
इसकी विविध शाखाएँ और भविष्य की वैश्विक प्रासंगिकता डॉ. पूर्णिमा उमेश 133-136

### पुस्तक समीक्षा

- कन्नड की प्रसिद्ध लेखिका श्रीमती सहना कांतबैलु के स्यभ लेख  
संग्रह 'आने साकलू होरटवलू' अर्थात् 'हाथी पालने चली' डॉ. सुजाता फातरपेकर 137-139

### लेख

- सृजन में चुपके से आ जाता है बचपन मुक्ता 140-151

### कहानी

- कर्जा गुलाम डॉ. विजय कुमार 152-157

### कविता

- गैरज़रूरी बातें प्रतिभा मुदलियार 158-161
- बेसुध भीड़ प्रो. पुनीता 162-166

**प्रो. तिप्पेस्वामी जी को समर्पित लेख**

- प्रो. तिप्पेस्वामी – विनम्र श्रद्धांजलि
- साहित्य जगत को प्रो. तिप्पेस्वामी जी का योगदान      डॉ. सी. जय शंकर बाबु      167-175
- अनुवाद योगी डॉ. तिप्पेस्वामी : एक संस्मरण      डॉ. करुणालक्ष्मी.के.एस.      176-178

\*\*\*\*\*



This work is licensed under [CC BY-NC 4.0](https://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/)